



Pt. Madan Lal Sharma

19 Jan 1967

12:15 PM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590602

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 19/01/1967
दिन _____: गुरुवार
जन्म समय _____: 12:15:00 घंटे
इष्ट _____: 11:46:18 घटी
स्थान _____: Barmer
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:43:00 उत्तर
रेखांश _____: 71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 11:30:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:10:35 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:22:35 घंटे
सूर्योदय _____: 07:32:28 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:17:28 घंटे
दिनमान _____: 10:45:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 05:06:22 मकर
लग्न के अंश _____: 04:28:05 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: अश्विनी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: साध्य
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: अश्व
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

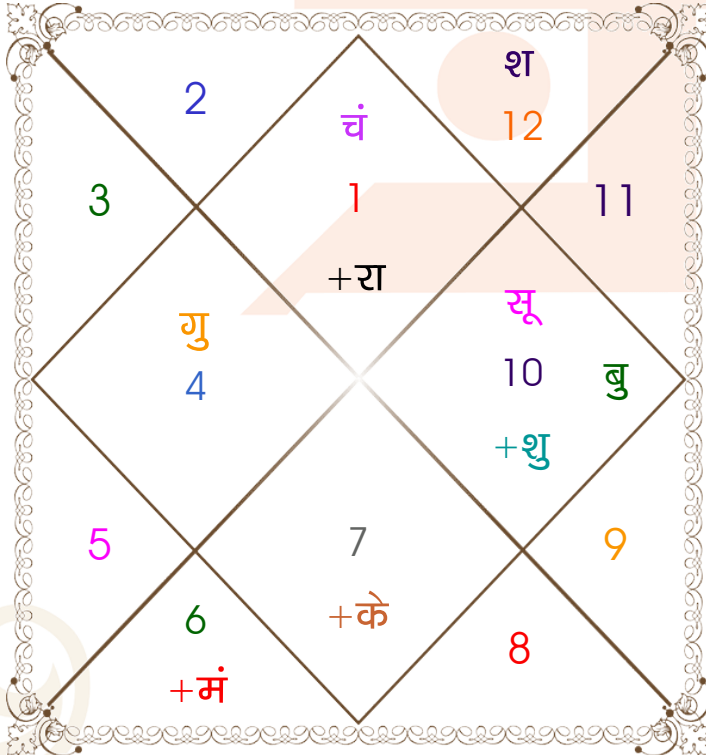
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:28:05	467:46:22	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	05:06:22	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	10:08:21	11:58:34	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	28:39:41	00:23:46	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध	अ		मक	05:53:00	01:40:35	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	06:11:16	00:08:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			मक	22:13:38	01:15:06	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	01:57:48	00:05:09	पूर्वाभाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			मेष	19:31:15	00:00:12	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	19:31:15	00:00:12	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		कन्या	00:50:47	00:01:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
नेप			वृश्चि	00:35:03	00:01:12	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		सिंह	27:03:50	00:00:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	25:40:21	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

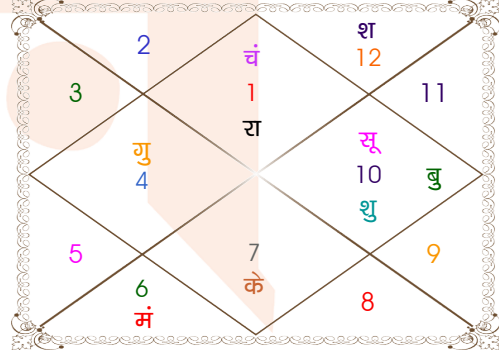
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:38

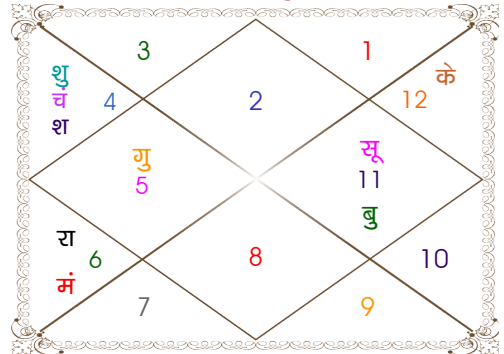
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 8 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
19/01/1967	23/09/1968	23/09/1988	23/09/1994	23/09/2004
23/09/1968	23/09/1988	23/09/1994	23/09/2004	23/09/2011
00/00/0000	शुक्र 23/01/1972	सूर्य 10/01/1989	चंद्र 24/07/1995	मंगल 19/02/2005
00/00/0000	सूर्य 22/01/1973	चंद्र 12/07/1989	मंगल 22/02/1996	राहु 09/03/2006
00/00/0000	चंद्र 23/09/1974	मंगल 17/11/1989	राहु 23/08/1997	गुरु 13/02/2007
00/00/0000	मंगल 23/11/1975	राहु 11/10/1990	गुरु 23/12/1998	शनि 24/03/2008
00/00/0000	राहु 23/11/1978	गुरु 30/07/1991	शनि 24/07/2000	बुध 21/03/2009
00/00/0000	गुरु 24/07/1981	शनि 11/07/1992	बुध 23/12/2001	केतु 17/08/2009
19/01/1967	शनि 23/09/1984	बुध 18/05/1993	केतु 24/07/2002	शुक्र 17/10/2010
शनि 26/09/1967	बुध 24/07/1987	केतु 23/09/1993	शुक्र 24/03/2004	सूर्य 22/02/2011
बुध 23/09/1968	केतु 23/09/1988	शुक्र 23/09/1994	सूर्य 23/09/2004	चंद्र 23/09/2011

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
23/09/2011	23/09/2029	23/09/2045	23/09/2064	23/09/2081
23/09/2029	23/09/2045	23/09/2064	23/09/2081	00/00/0000
राहु 05/06/2014	गुरु 11/11/2031	शनि 26/09/2048	बुध 19/02/2067	केतु 19/02/2082
गुरु 29/10/2016	शनि 24/05/2034	बुध 06/06/2051	केतु 16/02/2068	शुक्र 21/04/2083
शनि 05/09/2019	बुध 29/08/2036	केतु 15/07/2052	शुक्र 17/12/2070	सूर्य 27/08/2083
बुध 24/03/2022	केतु 05/08/2037	शुक्र 14/09/2055	सूर्य 24/10/2071	चंद्र 27/03/2084
केतु 12/04/2023	शुक्र 05/04/2040	सूर्य 26/08/2056	चंद्र 24/03/2073	मंगल 23/08/2084
शुक्र 12/04/2026	सूर्य 22/01/2041	चंद्र 27/03/2058	मंगल 21/03/2074	राहु 11/09/2085
सूर्य 06/03/2027	चंद्र 24/05/2042	मंगल 06/05/2059	राहु 08/10/2076	गुरु 17/08/2086
चंद्र 04/09/2028	मंगल 30/04/2043	राहु 12/03/2062	गुरु 14/01/2079	शनि 19/01/2087
मंगल 23/09/2029	राहु 23/09/2045	गुरु 23/09/2064	शनि 23/09/2081	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 8 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नहीं होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नहीं मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नहीं करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते हैं कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरे पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी हैं। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नहीं चलाएंगे या वाहन चलाते समय कोई नादाना (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सतर्कता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नहीं किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नहीं है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नहीं कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।